an>

Title: Need to develop Misrikh as tourist spot.

*m01

श्रीमती अंजू बाला (मिश्रिख) : अध्यक्ष महोदया, आपने मुझे बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देना चाहती हूँ। मेरा लोक सभा क्षेत्र मिश्रिख, एक ऐसा धार्मिक स्थल है, जहां से बहुत सारे लोगों की भावनाएं जुड़ी हुई हैं। पूरे हिंदुस्तान से और विदेशों से लोग वहां पर आते हैं। यह वह पवित्र स्थल है, जहां पर दधीचि ऋषि ने अपनी हड्डियों का दान दिया था और वज्र रूप में इंद्र देव को दी थी, ताकि वे असुरों का नाश कर सकें। उस धार्मिक स्थल को एक पर्यटक स्थल का दर्जा मिलना चाहिए था, जो कि आज तक नहीं मिला है। नैमिषारण्य सतयुग का तीर्थ स्थल, जो अतिपावन है, इसके दर्शन मात्र से लोगों के पाप नष्ट हो जाते हैं। नैमिषारण्य को नैमिष या नीमसार भी कहा जाता है। नैमिषारण्य के प्रमुख तीर्थ स्थल - चक्र तीथ, ललिता देवी मंदिर, व्यासगद्दी, स्वायम्भूमनु सरूपा, सूतगद्दी, हनुमान गढ़ी, पांडव किला, दशाश्वमेघ घाटा, दधीचि कुण्ड आदि हैं।

मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करती हूँ कि इस पौराणिक तीर्थस्थल को पर्यटक स्थल घोषित कर यहां का विकास कराया जाए।